आज से भोजपुर में तीन दिनी महादेव महोत्सव

शिव मंदिर प्रांगण में होंगी लोकगायन-लोकनृत्य की प्रस्तुतियां

रायसेन, 14 फरवरी .महाशिवरात्रि पर संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से शिव-साधना और कला-सौंदर्य के दिव्य संगम के रूप में भोजपुर मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय 'महादेव भोजपुर महोत्सव' का 15 से 17 फरवरी, तक प्रतिदिन सायं 6.30 बजे से किया जाएगा. यह महोत्सव शिव-शक्ति, लोकआस्था और सांस्कृतिक चेतना का अनुपम उत्सव होगा. शिवभक्ति, लोकपरंपरा और शास्त्रीय-सुगम कलाओं के सुरम्य संगम के रूप में महोत्सव भोजपुर की ऐतिहासिक धरा पर सांस्कृतिक चेतना का दीप प्रज्वलित करेगा.

महोत्सव के पहले दिन 15 फरवरी को सागर के ऋषि विश्वकर्मा के स्वर से लोकगायन की भावपूर्ण गूंज मंदिर प्रांगण को भक्तिरस से सराबोर करेगी. इसके बाद सागर के उमेश नामदेव द्वारा प्रस्तुत बधाई एवं बरेदी लोकनृत्य में लोकजीवन की उल्लासमयी छवियां साकार होंगी. संध्या का शिखर क्षण मुंबई के सुप्रसिद्ध भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा के भक्ति गायन से सजेगा.

महोत्सव के दूसरे दिन 16 फरवरी को भोपाल की शीला त्रिपाठी का लोकगायन होगा. इसके पश्चात मुंबई की भावना शाह एवं साथी कलाकारों द्वारा शिव महिमा पर आधारित नृत्य नाटिका का मंचन किया जाएगा. शिव-सत्य की कला अभिव्यक्तियों पर केंद्रित इस समारोह में दूसरे दिन की अंतिम सभा में मुंबई की सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका महालक्ष्मी अय्यर अपनी मधुर सुगम संगीत प्रस्तुति से श्रोताओं को भावलोक में ले जाएंगी.

> अंतिम दिन लोकगायन से शिवभक्ति की अनुभूति होगी
> महोत्सव के अंतिम दिन 17 फरवरी को भोपाल के बलराम पुरोहित लोकगायन से शिवभक्ति की सस्वर अनुभूति कराएगा. इसके पश्चात भोपाल की आकृति जैन एवं साथी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत शिव-केंद्रित नृत्य नाटिका आध्यात्मिक ऊर्जा से वातावरण को आलोकित करेगी. समापन अवसर पर आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित कवि दिल्ली के अशोक चक्रधर, मुंबई के दिनेश बावरा, आगरा के प्रताप फौजदार, दिल्ली के गजेन्द्र सोलंकी, आगरा की रुचि चतुर्वेदी, मथुरा की पूनम वर्मा तथा दिल्ली की मनु वैशाली अपनी सशक्त और भावपूर्ण रचनाओं से काव्यरस की अविरल धारा प्रवाहित करेंगे.

शिवरात्रि पर खुलता है रायसेन दुर्ग का ऐतिहासिक शिव मंदिर

▶ सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे

रायसेन,14 फरवरी. रायसेन किला परिसर में स्थित शिव मंदिर वर्ष में केवल महाशिवरात्रि के दिन सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए खोला जाता है. मंदिर का ताला जिला प्रशासन और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संयुक्त नियंत्रण में रहता है. मंदिर के मुख्य द्वार की एक चाबी प्रशासन के पास तथा दूसरी पुरातत्व विभाग के पास सुरक्षित रहती है.

पुरातत्वविद राजीव लोचन चौबे ने अपनी पुस्तक युग युगीन रायसेन में उल्लेख किया है कि दुर्ग स्थित शिव मंदिर सहित देश के अनेक मंदिर आक्रमणों के दौरान क्षतिग्रस्त हुए थे. आजादी के बाद भी मंदिर के द्वार पर गणेश प्रतिमा और दोनों ओर भग्न मूर्तियां स्पष्ट दिखाई देती थीं, जबकि शिवलिंग बाहर उपेक्षित अवस्था में पड़ा था. गर्भगृह पर पुरातत्व विभाग का ताला लगा था और प्रांगण में संस्कृत का शिलालेख भी विद्यमान था. इसी स्थिति से आहत होकर वर्ष 1974 में स्वर्गीय कृष्णगोपाल माहेश्वरी की अध्यक्षता में रायसेन दुर्ग मंदिर खोलो संघर्ष समिति का गठन किया गया. इसमें विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एक मंच पर आए और शांतिपूर्ण आंदोलन प्रारंभ किया.

उस समय प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रकाशचंद सेठी थे तथा केंद्र में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में सरकार थी. संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने तत्कालीन कलेक्टर ए. के. अग्रवाल को ज्ञापन सौंपकर जनभावना से अवगत कराया. कलेक्टर ने अपनी अनुशंसा के साथ मामला शासन को प्रेषित किया.

तत्कालीन अधीक्षण के. के. चक्रवर्ती ने भी अपनी रिपोर्ट में मांग को उचित बताया, हालांकि गुप्तचर विभाग ने साम्प्रदायिक तनाव की आशंका जताई थी. बाद में आंदोलन के प्रतिनिधियों ने भोपाल में विभिन्न नेताओं और अधिकारियों से भेंट कर विषय रखा. उस समय रायसेन में किले के मंदिर को लेकर रहेंगे जैसे नारे गूंज रहे थे और व्यापक जनसमर्थन दिखाई दे रहा था.

> अंतत: सरकार ने जनभावना को स्वीकार किया और शिवरात्रि के अवसर पर मुख्यमंत्री प्रकाशचंद सेठी स्वयं रायसेन पहुंचे. विशाल मेले के साथ मंदिर का ताला खोला गया तथा शिवलिंग की पुनर्स्थापना की गई. इसके बाद से प्रत्येक वर्ष महाशिवरात्रि पर मंदिर खोले जाने और भव्य मेले के आयोजन की परंपरा जारी है. शेष दिनों में श्रद्धालुओं को बाहर से पूजा की अनुमति दी जाती है.

एक नजर में

सियावास मानव सेवा समिति ने रोपे पौधे

बेगमगंज, 14 फरवरी. सियावास मानवसेवा समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बेगमगंज के परिसर में संपन्न हुआ . कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष मुख्य अतिथि संदीप लोधी एवं विशिष्ट अतिथि एसडीओपी सोनाली गुप्ता, उमेश बकोरे प्राचार्य आईटीआई अन्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं पूजा अर्चना कर किया. समिति के संरक्षक पंडित विद्यानंद शर्मा, कन्हैया लाल साहू एवं अध्यक्ष संतोष कन्या कंड्या भी उपस्थित थे. कार्यक्रम में सियावास मानव सेवा समिति के उद्देश्यों और उपलब्धियों पर रमेश भार्गव ने प्रकाश डालते हुए बताया कि समिति विगत 5 वर्षों से मानव सेवा के कार्य कर रही है . एसडीओपी पुलिस गुप्ता ने कहा मैं सियावास मानव सेवा समिति के कार्यों और उनकी रूपरेखा से प्रभावित हूं. मैं भी दिल से सहभागिता करना चाहूंगी . कार्यक्रम को शिक्षाविद ऋषि राज शर्मा, राकेश भार्गव,जगदीश लोधी, अशोक शर्मा और संतोष कंडया ने भी संबोधित किया. इस अवसर पर समिति ने दानदाताओं को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया. इनमें प्रमुख रूप से प्राचार्य आईटीआई बकौरे, अध्यक्ष विवेकानंद शिक्षा परिषद देवनारायण शर्मा, सरोज पाठक, सुषमा भार्गव, रमेश भार्गव रहे . उद्बोधन के बाद सभी ने आईटीआई मार्ग एवं सरस्वती विद्या मंदिर विवेकानंदपुरम एक पौधा मां के नाम, एक पौधा पिता के नाम और एक पौधा राष्ट्र के नाम लगाए. इस दौरान सभी ने पौधों के संरक्षण की शपथ भी ली . समिति के सहयोगियों में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अजय जाट , दशरथ सिंह ठाकुर, राजेश साहू ,मयंक सिंघई, वसंत शर्मा, पार्षद राजेश यादव,पार्षद राजीव दुबे, पार्षद बृजेश लोधी, पंडित लक्ष्मी नारायण चतुर्वेदी आरआई पंडित संतोष भार्गव सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन प्रदीप सोनी शून्य ने किया . मनोज पाठक ने आभार व्यक्त किया .

बेगमगंज से दो एएसआई स्थानांतरित, बल की कमी

बेगमगंज , 14 फरवरी. मप्र पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी तबादला सूची में थाना बेगमगंज में पदस्थ दो एएसआई का तबादला किया गया है.

पहले से ही पुलिस बल की कमी झेल रहा थाना दो और पुलिस कर्मियों के जाने से पुलिस बल की संख्या कम हो जाएगी. इसके पूर्व प्रधान आरक्षक अशोक अहिरवार को बेगमगंज से सुल्तानगंज भेजा गया है. वही बेगमगंज में पदस्थ एएसआई राधेश्याम रघुवंशी को नगर भोपाल एवं एएसआई रामसुमेर जेसवार को जिला नर्मदापुरम भेजा गया है. लेकिन उनके रिक्त स्थान पर किसी को नहीं भेजा गया है.

पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता द्वारा जिला स्तर पर 103 पुलिसकर्मियों की तबादला सूची में प्रधान आरक्षक अशोक अहिरवार को बेगमगंज से सुल्तानगंज , आरक्षक कैलाश चौहान को रक्षित केंद्र रायसेन से सुल्तानगंज एवं रक्षित केंद्र रायसेन से आरक्षक राहुल चौरसे एवं अमित जाट को बेगमगंज पदस्थ किया गया है. सभी पुलिसकर्मियों ने अपनी पदस्थापना स्थल पर ज्वाइनिंग दे दी है. जबकि जिले से बाहर स्थान्तरित हुए पुलिसकर्मियों को अभी भारमुक्त नहीं किया गया है.

शांति समिति की बैठक संपन्न

सलामतपुर. रायसेन जिले के दीवानगंज पुलिस चौकी परिसर में आगामी त्योहार महाशिवरात्रि एवं रमजान को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता रायसेन एसडीएम मनीष शर्मा एवं रायसेन पुलिस एसडीओपी नीलम चौधरी ने की.

बैठक में त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्द्रपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई. अधिकारियों ने ग्रामीणों से आपसी समन्वय बनाए रखने और किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की. इस अवसर पर दीवानगंज, अंबाड़ी, जमुनिया, कुलहड़िया, सेमरा, नरखेड़ा, गीदगढ़ सहित आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. बैठक में सांची नायब तहसीलदार ललित सक्सेना, सलामतपुर थाना प्रभारी दिनेश रघुवंशी एवं चौकी प्रभारी सुनील शर्मा भी मौजूद रहे. अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहेगा और आमजन से सहयोग की अपेक्षा की जाती है.

शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा के लिए शोभायात्रा निकली

सिलवानी, 14 फरवरी.. नगर स्थित श्री अनगढ़ हनुमान मंदिर में आयोजित सात दिवसीय पंच कुंडात्मक श्री रूद्र महायज्ञ एवं शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई.

यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुन: मंदिर प्रांगण पहुंची. आयोजन के प्रति श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया और पूरा नगर 'हर-हर महादेव' एवं 'बम-बम भोले' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा. शोभायात्रा में पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत भी शामिल हुए.

शोभायात्रा में डीजे, ढोल-नगाड़ों और वाद्ययंत्रों की धुन पर श्रद्धालु झूमते नजर आए. भगवान भोलेनाथ की आकर्षक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही.

प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में भगवान शिव की प्रतिमाएं नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थापित की जाएंगी. महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर इन मंदिरों में भगवान शिव विधिवत विराजमान होंगे.पंच कुंडात्मक श्री रूद्र महायज्ञ एवं शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का समापन पूर्णाहुति के साथ किया जाएगा.

महिला बाल विकास योजनाओं की समीक्षा

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में प्रगति बढ़ाने के निर्देश

रायसेन, 14 फरवरी.जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं तथा गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की जा रही है. कलेक्टर अरुणकुमार विश्वकर्मा ने विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश जैन को विकासखंडों में भ्रमण कर विभागीय योजनाओं तथा गतिविधियों की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं.

इसी कड़ी में बरेली में जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश जैन तथा एसडीएम बरेली संतोष मुद्गल द्वारा संयुक्त रूप से आईसीडीएस बरेली की समस्त पर्यवेक्षक एवं दो सेक्टर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की समीक्षा बैठक लेते हुए कार्यों की समीक्षा की. बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में लक्ष्य अनुसार प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए गए. साथ ही बच्चों के प्रबंधन एवं ऑनलाइन एंट्री की समीक्षा करते हुए कार्य में गति लाने तथा पोषण ट्रेकर की अपार आभा आईडी सौ प्रतिशत पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया.

संकल्प से समाधान अभियान में शिविर

रायसेन, 14 फरवरी. जिले में चलाए जा रहे संकल्प से समाधान अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं. ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के साथ ही शासन की योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है. ग्राम पंचायत टिमरावन में शिविर में प्राप्त अधिकांश आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया. शिविर में जिला सहकारी केंद्र बैंक रायसेन के महाप्रबंधक अजय सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे. इसी प्रकार ग्राम पंचायत घानाकलां में आयोजित शिविर में जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारी राजू कार्तोलकर उपस्थित रहे.

राम नाम के स्मरण से ही मिट जाते हैं मनुष्य के पाप : शास्त्री

सिलवानी/ सांईखेड़ा, 14 फरवरी. तहसील क्षेत्र के ग्राम सिमरिया कला में चल रही श्री शिवमहापुराण कथा के पांचवे दिन कथा व्यास पंडित रेवाशंकर शास्त्री महाराज ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराया. उन्होंने कहा कि मनुष्य का जीवन 16 संस्कारों से परिपूर्ण होता है और यदि जीवन में राम नाम का स्मरण किया जाए तो मनुष्य के समस्त पाप स्वत: नष्ट हो जाते हैं. उन्होंने कहा कि सच्ची भक्ति और विश्वास ही जीवन के कष्टों को दूर करने का मार्ग है.

कथा में भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया गया. कथा व्यास पंडित रेवाशंकर महाराज ने बताया कि माता पार्वती ने कठोर तपस्या कर भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया. कथा में भस्मासुर प्रसंग का भी विस्तार से वर्णन किया गया. भगवान शिव द्वारा भस्मासुर को वरदान देने और बाद में भगवान विष्णु द्वारा मोहिनी रूप धारण कर उसके संहार की लीला सुनाई गई. इस प्रसंग के माध्यम से बताया गया कि अहंकार का अंत निश्चित है और ईश्वर सदैव धर्म की रक्षा करते हैं. शिव परिवार की महिमा बताते हुए नंदी, गणेश कार्तिकेय और माता पार्वती सहित शिव के सामंजस्यपूर्ण परिवार का उल्लेख किया और कहा कि यह परिवार हमें विपरीत परिस्थितियों और विचारों में भी संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देता है. उन्होंने कहा कि शिवमहापुराण कथा के श्रवण से सौभाग्य, सुख-शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है तथा दुर्भाग्य का नाश होता है.

वित्तीय साक्षरता सप्ताह मनाया

बेगमगंज , 14 फरवरी भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई), भोपाल द्वारा वित्तीय साक्षरता सप्ताह मनाया गया। आरबीआई वर्ष 2016 से हर साल वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वित्तीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन कर रहा है. इस वर्ष वित्तीय साक्षरता सप्ताह की थीम 'केवाईसी' रखी गई है, जिसका शीर्षक है 'केवाईसी-सुरक्षित बैंकिंग की ओर पहला कदम'. इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को स्मार्ट और सुरक्षित वित्तीय निर्णय लेने में सहायता करना है. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की बेगमगंज ब्रांच के महाप्रबंधक अनिल पुरबिया द्वारा केवाईसी रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया.

शिवदयाल सिमरैया बने प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष

उदयपुरा,14 फरवरी.मध्यप्रदेश तेलिक साहू महासभा में संगठनात्मक विस्तार के तहत शिवदयाल सिमरैया को प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि सिमरैया के नेतृत्व में संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी.

सिमरैया लंबे समय से समाजसेवा एवं संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय

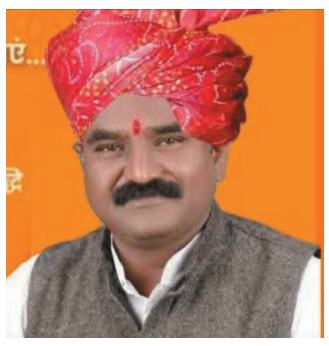

> इस अवसर पर समाज के अनेक पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उन्हें बधाई दी है. बधाई देने वालों में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद साहू, महेश साहू, रामकुमार साहू , बसंत साहू, केसाराम साहू, चंद्र मोहन साहू , प्रेम नारायण साहू , ओम प्रकाश साहू , सुहागचंद साहू , प्रति पाल साहू , हितेश साहू , अशोक साहू , रेवाराम साहू , मनोज साहू लखन लाल साहू परसोत्तम साहू जगदीश साहू अमृतलाल साहू अशोक साहू लालजी साहू चंद्र मोहन साहू मुन्नालाल साहू नर्मदा प्रसाद साहू बकतरा आदि शामिल हैं।

भूमिका निभाते रहे हैं. उनकी कार्यशैली, समर्पण एवं नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है.

मांग सोमेश्वर धाम मुक्ति मोर्चा ने राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा

सोमेश्वर महादेव मंदिर को वर्षभर खोला जाए

सिलवानी, 14 फरवरी. स्थित प्राचीन एवं ऐतिहासिक रायसेन किला में विराजमान सोमेश्वर महादेव मंदिर को वर्षभर दर्शनार्थ खोले जाने की मांग की गई। इसके अलावा रमजान में दुर्ग परिसर में परंपरागत तोप संचालन पर पुनर्विचार की मांग की. इस संबंध में सोमेश्वर धाम मुक्ति मोर्चा ने शनिवार को नायब तहसीलदार को राष्ट्रपति एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा.

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन संरक्षित इस मंदिर को वर्तमान में वर्ष में केवल महाशिवरात्रि पर एक दिन के लिए दर्शनार्थ खोला जाता है. मोर्चा का कहना है कि यह मंदिर क्षेत्रीय जनमानस की आस्था, सांस्कृतिक परंपरा एवं धार्मिक भावनाओं का प्रमुख केंद्र है, अत: इसे प्रतिदिन निर्धारित समयावधि में खोला जाना चाहिए.

ज्ञापन में वर्ष 1974 के जनआंदोलन का भी उल्लेख किया गया, जिसके पश्चात तत्कालीन शासन के निर्णय से महाशिवरात्रि पर एक दिन के लिए मंदिर खोले जाने की परंपरा प्रारंभ हुई थी. पदाधिकारियों ने

तर्क दिया कि जब एक दिन नियंत्रित व्यवस्था में दर्शन संभव है, तो वर्षभर सीमित समय के लिए भी सुरक्षा मानकों के साथ दर्शन कराए जा सकते हैं. इसके लिए सीमित समय निर्धारण, नियंत्रित प्रवेश, प्रशासनिक पर्यवेक्षण, सीसीटीवी निगरानी एवं सुरक्षा बलों की तैनाती जैसी व्यवस्थाएं लागू की जा सकती हैं. ज्ञापन का दूसरा प्रमुख बिंदु दुर्ग परिसर में रमजान अवधि के दौरान परंपरागत रूप से किए जाने वाले तोप संचालन (गोला दागने) से संबंधित है. मोर्चा ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी भी समुदाय की धार्मिक परंपरा का विरोध करना नहीं है, बल्कि संरक्षित स्मारक की दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है.

> ज्ञापन में कहा गया है कि तीव्र ध्वनि एवं कंपन से प्राचीन दीवारों और संरचनाओं की स्थिरता प्रभावित हो सकती है. साथ ही वन्यजीव संरक्षण एवं ध्वनि प्रदूषण नियमों का हवाला देते हुए इस पर तकनीकी परीक्षण कराए जाने और आवश्यक होने पर प्रतीकात्मक अथवा ध्वनिरहित वैकल्पिक व्यवस्था अपनाने की मांग की गई है. इस दौरान नीरज जोशी, राहुल नामदेव, राजकुमार मेहरा, अमर रजक, हीरा कुशवाहा, अनिकेत कोरिया, आयुष तिवारी, राघवेंद्र कुशवाहा, विजय नामदेव, दिव्यांश, सीमेंत आदि मौजूद रहे.